

The total contribution towards the fund will be Rs. 8,72,000.90 The amount in the Risk Stabilisation Fund will permit the coverage of fifty per cent of the loan taken for digging of wells from the banks. The balance of Rs. 250/—of the loan per farmer with interest will be repaid by the concerned farmers themselves direct to the bank.

The operation of the Risk Stabilisation Fund will thus assist individual farmers in meeting the loss of Rs. 12/—only. Financing institutions will at the same time be encouraged to finance well-digging operations in the absence of comprehensive hydrogeological survey reports which they usually insist upon before sanctioning loans.

Misuse of Medicines in Kolar Gold Mining Undertaking's Hospital

5059. SHRI MOHAMMAD ISMAIL : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether a large quantity of medicines has recently been misused by the higher authorities of the Kolar Gold Mining Undertakings Hospital :

(b) if so, the value thereof ; and

(c) the steps taken by Government to streamline the functioning of the hospital ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH) : (a) and (b). There are no reports to indicate that higher authorities of Kolar Gold Mining Undertakings Hospital have in any way misused the medicine stock of the Hospital. The local police, on certain informations raided the dispensaries of a few private doctors in two small towns in Kolar Gold Fields and seized some stock of medicines and injection vials, worth about Rs. 150/—only, reported to be disposed of in an unauthorised way by a male nurse attached to the Kolar Gold Field Hospital. The male nurse has been arrested and a criminal case registered against him.

(c) The system of search existing for the Hospital employees has been intensified. Checking and counterchecking of stocks at the main drug store have been tightened to ensure that nothing is removed from the stores unauthorisedly.

मध्य प्रदेश में कृषकों को ऋण

5060. श्री संगम चरण बरिहति : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीयकरण के पश्चात् राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा मध्य प्रदेश में कृषकों को कुल कितनी राशि के ऋण दिये गये ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा मध्य प्रदेश में किसानों को प्रत्यक्ष वित्त के रूप में दी गयी बकाया रकम मार्च 1971 के अन्त में 2.21 करोड़ रुपये थी, जब कि जून 1969 के अन्त में, अर्थात् राष्ट्रीयकरण से तुरन्त पहले यह रकम 0.30 करोड़ रुपये थी ।

Setting up of Marine Training Institute in Gujarat

5061. SHRI JADEJA : Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether Government of India/Government of Gujarat propose to set up a Marine Training Institute in Gujarat ; and

(b) if so, the main features thereof ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAJ BAHADUR) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

स्वर्णकारों को रोजगार दिया जाना

5062. श्री धनसाहू प्रधान : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) स्वर्ण नियंत्रण आदेश जारी करने के पश्चात् स्वर्णकारों को अपनी आजीविका कमाने के लिए किस प्रकार का रोजगार दिया गया ; और

(ख) यदि उनके लिए किसी भी प्रकार के रोजगार की व्यवस्था नहीं की गयी तो इस

सम्बन्ध में सरकार द्वारा क्या नीति निर्धारित करने का प्रस्ताव है ?

बित्त मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) . (क) विस्थापित स्वर्णकारो को कार्यालयो तथा कारखानो मे रोजगार दिया गया है और उन्हे दर्जो के काम और धातु के काम जैसे अन्य व्यवसायो मे भी कारीगरो के रूप मे रखा गया है। उन्हे लघु-उद्योग, व्यक्तिगत धधे (Distributive Business) तथा भेती का काम शुरू करने के लिए ऋण और अन्य सहायता दी जाती है जिसमे तकनीकी प्रशिक्षण सुविधा भी शामिल है। कुछ स्वर्णकारो को तीन पहिये वाले स्कूटर भी दिये गये है। इसके अतिरिक्त कुछ मामलो मे विस्थापित स्वर्णकारो तथा उनके आश्रितो को स्वर्णकारी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद फिर से अपना धधा अपनाने की भी अनुमति दी गई है।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

सरकारी कर्मचारियो को समयोपरि भत्ता

5063. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट क्या बित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या सरकार का विचार वैयक्तिक कर्मचारियो के मामले मे समयोपरि भत्ते की अदायगी को कुल वेतन के एक-तिहाई और अन्य सरकारी कर्मचारियो के मामले मे कुल वेतन के पांचवे हिस्से तक सीमित करने का है जिससे कि समयोपरि भत्ते पर होने वाले व्यय मे और अधिक कमी की जा सके ;

(ख) क्या किसी भी बैंक कर्मचारी को पूरे वर्ष में 180 बंटे से अधिक समयोपरि कार्य नहीं करने दिया जाता , और

(ग) यदि हाँ, तो क्या अपने कर्मचारियो के स्वास्थ्य के हित को दृष्टि मे रखते हुए एक वर्ष में 180 घण्टे की सीमा लगाने का सरकार का विचार है ?

बित्त मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) (क) कार्यालय के कर्मचारियो तथा वैयक्तिक कर्मचारियो को समयोपरि भत्ते से होने वाली आय, वर्तमान आदेशों के अनुसार, उनकी मासिक परिलब्धियो के एक-तिहाई से अधिक नहीं होनी चाहिए। यही व्यवस्था उन अन्य कर्मचारियो पर भी लागू होती है जिनके काम का समय और स्वरूप कार्यालय के कर्मचारियो जैसा है। विशेष परिस्थितियो मे, वैयक्तिक कर्मचारियो को उनकी मासिक परिलब्धियों के 50 प्रतिशत की सीमा तक समयोपरि भत्ता उस हालत मे मजूर किया जाता है जब उनके अधिकारी यह प्रमाणित करे कि उन्होंने इस सम्बन्ध मे अपना समाधान कर लिया है कि यह लोक-हित मे है कि उनको एक-तिहाई की सीमा से अधिक परन्तु 50 प्रतिशत तक की रकम का भुगतान किया जाय। समयोपरि भत्ते से होने वाली आय की वर्तमान अधिकतम सीमा मे संशोधन करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

(ख) कुछ बैंकिंग कम्पनियो और उनके कर्मचारियो के बीच अक्टूबर 1966 में हुए द्विपक्षीय समझौते के अनुसार किसी भी कलेंडर वर्ष मे समयोपरि कार्य 175 घण्टों से अधिक नहीं होगा।

(ग) जी, नहीं। समयोपरि भत्ते की वर्तमान योजना मे किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए तीसरे वेतन आयोग की रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी।

Circulation of notes of High Denominations

5064 SHRI N. S. BISHT : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the number of notes of the denominations of Rs. ten thousand, Rs. five thousand and Rs. one thousand in circulation in March, 1969, March, 1970 and March, 1971 ;

(b) the percentage of such notes to the total currency in circulation during March, 1971 ;